

**निष्कृष्ट वि.** (तत्.) 1. किसी वस्तु आदि से निचोड़कर निकाला हुआ पुं. सारतत्व या सारभूत।

**निष्केंद्र वि.** (तत्.) ज्या. ऐसी आकृति जिसके केंद्र की कोई भूमिका न हो, केंद्र निर्पेक्ष आकृति।

**निष्कोण पुं.** (तत्.) ज्या. वक्र आकृति जिसमें कोई भी कोण न हो।

**निष्कोषण पुं.** (तत्.) 1. छीलने का कार्य 2. धान, चना, मूँग आदि अन्न की भूसी निकालने का कार्य 3. किसी वस्तु या उसके किसी अंश या भाग को खींचकर, फाड़कर या कुरेदकर बाहर निकालने का मार्ग 4. किसी वस्तु को साफ करने के लिए खुरचने का काम।

**निष्क्रम पुं.** (तत्.) 1. किसी स्थान से बाहर निकलने की क्रिया या बाहर निकालना 2. बाहर जाने का कार्य 3. जाति से बाहर निकालने की अवस्था, जातिच्युत करने का कार्य पर्या. निष्क्रमण।

**निष्क्रमण पुं.** (तत्.) 1. आगे या बाहर जाने की क्रिया 2. संघटित रूप में सुरक्षा की दृष्टि से किसी समुदाय का अपने गृहनगर, राज्य, देश से बाहर जाने की स्थिति उदा. कश्मीर से हिंदुओं का निष्क्रमण 3. एक वैदिक संस्कार: चौथे मास में, नवजात का पहली बार खुली हवा में निकालना और सूर्य के दर्शन कराने का कार्य 4. प्रस्थान, निर्गमन 5. निकास, परित्याग, शून्यीकरण 6. मलत्याग।

**निष्क्रमण वीजा पुं.** (तत्.) 1. प्रस्थान प्रमाणपत्र 2. एक देश से दूसरे देश में जाने के लिए शासकीय नियमों के आधार पर बनाया जाने वाला एक प्रकार का प्रवेशपत्र।

**निष्क्रय पुं.** (तत्.) 1. किसी विपत्ति या समस्या से निजात पाना, उद्धार, छुटकारा 2. किसी कार्य के बदले दिया जाने वाला धन, मजदूरी, भाड़ा 3. पुरस्कार, इनाम 4. बंधन से छुड़ाने के हेतु दिया जाने वाला धन 5. किन्हीं दो वस्तुओं की परस्पर अदला-बदली, विनिमय।

**निष्क्रयण पुं.** (तत्.) दे. निष्क्रय।

**निष्क्रांत वि.** (तत्.) 1. जो किसी स्थान से निकल गया हो, निकला हुआ 2. निकाला हुआ 3. स्वेच्छा से अपने ग्राम, नगर जनपद राज्य, या देश आदि को छोड़ने वाला।

**निष्क्रांत संपत्ति स्त्री.** प्रशा. सुरक्षा अथवा राजनीतिक कारणों से किसी क्षेत्र से अन्यत्र चले जाने वाले लोगों द्वारा वहाँ छोड़ी गई संपत्ति।

**निष्क्रामित वि.** (तत्.) 1. विषय परिस्थिति या अपराध आदि की दंडनीय व्यवस्था के अनुसार, ग्राम, नगर, जनपद, राज्य, देश आदि से निकाला हुआ 2. किसी सेवा, नौकरी आदि से निकाला हुआ दे. निष्क्रांत।

**निष्क्रिय वि.** (तत्.) 1. क्रिया या कर्म से विहीन, अकर्मण्य, निश्चेष्ट 2. प्रयत्न रहित, आलसी, निठल्ला 3. शास्त्रविहित कर्मों को न करने वाला विलो. सक्रिय।

**निष्क्रिय अनुभव पुं.** (तत्.) स्वयं किए बिना दूसरों को देख-सुनकर या पढ़कर किया गया अनुभव।

**निष्क्रिय क्षमता स्त्री.** (तत्.) संयंत्र की स्थापित क्षमता का वह भाग जिसका उपयोग उत्पादन स्तर में गिरावट के कारण हो नहीं पाता पर्या. अप्रयुक्त क्षमता।

**निष्क्रिय खाता पुं.** (तत्.) एक साल से अधिक समय तक किसी प्रकार के लेन-देन से रहित बचत खाता।

**निष्क्रिय जमा पुं.** अर्थ. बैंक के बचत खाते में जमा ऐसी धनराशि, जिसका खातेदार द्वारा कभी उपयोग न किया गया हो।

**निष्क्रियण पुं.** (तत्.) 1. मनोवैज्ञानिक विधि से किसी की स्वाभाविक क्रिया या व्यवहार को रोक देने का कार्य 2. किसी के मन की शक्ति को अपने वश में करना 3. बम आदि को निष्क्रिय करना।

**निष्क्रिय पूँजी स्त्री.** (तत्.) 1. वह पूँजी जिसका किसी प्रकार से उपयोग न हो रहा हो 2. जो पूँजी व्यापार में न लगी हो।